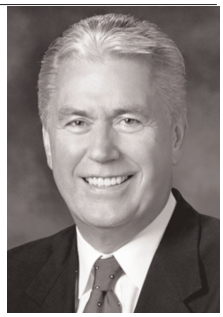

अध्यक्ष डिएटर एफ. उक्डोर्फ द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार

अच्छे की तलाश करना

एक नये घर की तलाश करते समय, अन्तिम-दिनों के एक युवा सन्त जोड़े ने संभावित पड़ोसियों से पड़ोस और उस क्षेत्र के विद्यालयों के बारे में बात की ।

एक स्त्री ने जिससे उन्होंने बात की थी ने विद्यालय के बारे में बताया जिसमें उसके बच्चे पढ़ रहे थेः ''यह एक बहुत ही अच्छी जगह है! प्रधानाचार्य एक बहुत ही बढ़िया और अच्छे इंसान हैं; शिक्षक उचित रूप से योग्य, उदार, और मैत्रीपूर्ण हैं । मुझे इतना अच्छा लगता है कि हमारे बच्चे इस शानदार विद्यालय में पढ़ सकते हैं । आपको यह पसंद आएगा!''

एक अन्य स्त्री ने अपने बच्चों के विद्यालय के बारे में बतायाः ''यह एक भयानक जगह है । प्रधानाचार्य अपने में ही लीन रहता है; शिक्षक अयोग्य, असभ्य, और अमैत्रीपूर्ण हैं । यदि मैं इस क्षेत्र से निकलने में समर्थ होती तो तुरन्त मैं ऐसा करना चाहती!''

मजेदार बात यह थी कि दोनों स्त्रियां उसी प्रधानाचार्य, उन्हीं शिक्षकों, और उसी विद्यालय के बारे में बता रही थीं ।

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि लोग अक्सर उस चीज को खोज सकते हैं जिसकी तलाश वे कर रहे होते हैं ? मेहनत से खोजें, और आप लगभग हर एक में और हर जगह पर अच्छे और बुरे दोनों की तलाश कर सकते हैं । लोगों ने अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के साथ भी आरंभ से ऐसा ही किया है । जो लोग अच्छे की तलाश करते हैं वे उदार और करुणा से भरे हुए लोगों को पाएंगे—वे लोग जो प्रभु से प्रेम करते हैं और उसकी सेवा के प्रति इच्छुक रहते हैं और अपने साथियों के जीवन को आशीषित करते हैं । परन्तु यह भी सच है कि जो लोग बुरे की तलाश करते हैं वे निश्चय रूप से उन चीजों को पाएंगे जो कि आदर्श नहीं है ।

दुर्भाग्यवश, कभी-कभी ऐसा गिरजाघर में भी होता है । उन लोगों के लिए रचनात्मक, कौशल, और दृढ़ता का कोई अन्त नहीं है जो आलोचना करने के कारणों को तलाशते रहते हैं । वे मनमुटाव पर अपनी पकड़ को ढीला करते हुए प्रतीत नहीं होते हैं । वे गपशप करते और दूसरों में कमी खोजते हैं । वे दशकों तक घावों को संभाल कर रखते हैं, दरार पैदा करने और दूसरों को नीचा दिखाने के हर अवसर का फायदा उठाते हुए । यह बात प्रभु को खुश नहीं करती है,''क्योंकि जहां डाह और विरोध होता है, वहां बखेड़ा और हर प्रकार का दुष्कर्म भी होता है'' (याकूब 3:16) ।

अध्यक्ष जोर्ज क्यू. कैनन (1827–1901) अध्यक्ष ब्रिगहम यंग (1801–77) को भली-भाँति जानते थे, उनकी नजदीकी में कई वर्षों तक काम करते हुए, बारह प्रेरितों की परिषद के एक सदस्य के रूप में और प्रथम अध्यक्षता में उनके सलाहकार के रूप में । अध्यक्ष यंग की मृत्यु के पश्चात, अध्यक्ष कैनन ने अपनी दैनिकी में लिखा थाः ''मैंने कभी भी आलोचना नहीं की या [ब्रिगहम यंग] के संचालन-प्रबंध में कभी भी कमी नहीं पाई, उनके सलाह या मेरे हृदय में कभी भी उनकी शिक्षाओं में, मेरे शब्दों या कार्यों में बहुत ही कम । मेरे लिए अब यह आनन्द की बात है । विचार जो मेरे पास हमेशा से था वह थाः यदि मैं आलोचना करूँ या कमी खोजूँ, या भाई ब्रिगहम को परखूँ, मैं ऐसा कब तक करूँगा; यदि मैं शुरुआत करूँ, मैं कहां रुकुँगा? इस कार्य में मैंने स्वयं पर भरोसा करने की हिम्मत नहीं की । मैं जानता था कि धर्मत्याग का परिणाम अक्सर आलोचना करना और कमी खोजने वाली आत्मा में मग्न हो जाना है । दूसरे, मुझसे अधिक बलवान, ज्ञानी और अनुभवी कई काम कर सकते हैं और बुरे परिणामों से बच सकते हैं जिसे करने की हिम्मत मुझमें नहीं थी ।''[1]

अध्यक्ष कैनन की शक्तिशाली सलाह वह चीज है जिस पर गिरजाघर के हम सदस्यों को बहुत ही ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए । मसीह के

अनुयाइयों को ''पवित्र, ... मिलनसार, कोमल और मृदुभाव और दया, और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपट रहित'' होने के लिए परमेश्वर के शब्द चेतावनी देते हैं क्योंकि,''मिलाप करनेवाले के लिए धार्मिकता का फल मेल-मिलाप के साथ बोया जाता है'' (याकूब 3:17, 18)।

हमारे पास चुनाव करने का मौका है । हम दूसरों में बुराई खोज सकते हैं । या हम शान्ति बनाए रख सकते हैं और दूसरों के प्रति समझ, अच्छाई, और क्षमादान के लिए काम कर सकते हैं जिसकी इच्छा हम स्वयं के लिए भयंकर रूप से रखते हैं । यह हमारा चुनाव है; क्योंकि हम जो भी खोजेंगे, निश्चित तौर पर उसे पाएंगे ।

विवरण

1. George Q. Cannon, दैनिकी, जन. 17, 1878; spelling modernized।

इस संदेश से शिक्षा

''आपको महसूस हो सकता है कि आपमें किसी निश्चित सिद्धान्त की समझ की कमी है जिसकी तैयारी आप शिक्षा देने के लिए कर रहे हैं,'' (शिक्षा से, *Teaching, No Greater Call* [1999], 19) पर ध्यान दें । ''फिर भी, जब आप प्रार्थनापूर्वक इसका अध्ययन करते हैं, इसके पालन का प्रयास करते हैं, इसे सीखाने की तैयारी करते हैं, और फिर इसे दूसरों के साथ बांटते हैं, आपकी स्वयं की गवाही मजबूत और गहरी होगी ।''

जब आप इस माह जीवन में और दूसरों में अच्छे की तलाश करते हैं, आप इस संदेश को और इसकी सच्चाई की गवाही की अच्छी तरह से बांटने की तैयारी करेंगे ।

युवा

कुत्ते के काटने की भलाई

तारा स्ट्रिंघम द्वारा

2009 की गरमियों में, मेरे मित्र के कुत्ते ने मेरे चेहरे पर काट लिया था । दुर्भाग्यवश, काटने से मेरे होंठ में घाव हो गयो, और मुझे टांके लगवाने पड़े थे ।

घाव के पश्चात, मैं निराश हो गई थी । मैंने मेरे विचारों पर परेशानी को हावी होने दिया था, और मैंने महसूस किया था कि मेरा पूरा जीवन नष्ट हो गया । मैं अपने होंठ के विषय में सचेत हो गई और बाहर लोगों के बीच बिलकुल नहीं जाना चाहती थी । मेरे मन में, मेरे घाव द्वारा पियानो, वॉलीबॉल, गिरजाघर, तैराकी, और विद्यालय की मेरी योजनाएं कुचल दी गई थीं ।

परन्तु जब भी मैंने प्रार्थना की थी, पौरोहित्य की आशीषों को प्राप्त किया था, अपने माता-पिता से बात की थी, या जब भी मेरे परिवार के सदस्य और मेरे मित्र मुझसे मिलने आये थे, मेरी आत्मा उत्कर्षित हुई थी और दुख के समय में मैंने प्रसन्नता महसूस की थी । शीघ्र ही मैंने जान लिया कि जब लोग मेरे घाव के बारे में सोचते होंगे, वे अनुकम्पा महसूस कर रहे होंगे ।

इस अनुभव ने मेरे चरित्र को बनाने में मेरी सहायता की, और मैंने सीखा था कि दूसरे लोग जो भी मेरे बारे में सोच रहे थे उसके विषय में चिन्तित नहीं होना है । मैं आशीषित भी हुई थी क्योंकि मेरे घाव ने मुझे जानने में सहायता की थी कि मुझे अपने विषय में कम सोचना चाहिए और दूसरों के बारे में अधिक । मेरी आत्मा इस समय के दौरान अत्याधिक मजबूत हुई थी ।

मैं सीखा था कि परेशानी हमारे लिए स्वर्गीय पिता की योजना का एक हिस्सा है । यदि हम अच्छे की तलाश करते हैं और बुरे की नहीं, हम परेशानी से उभर सकते हैं, एक बेहतर इंसान बन सकते हैं, और अनुभव से अपनी गवाही को मजबूत होने दें ।

बच्चे

अपने आसपास अच्छे की तलाश करें

आप अपने आसपास अच्छा देख सकते हैं यदि आप उसे तलाश करना सीख लें । एक तरीका है जिससे आप आशीषों को पहचानना सीख सकते हैं और वह है हर रात उन अच्छी चीजों को गिनने की आदत डालना जिसे आपने उस दिन देखा है ।

आज की रात परिवार के एक सदस्य को कुछ उन अच्छी चीजों के बारे में बताने के लिए समय निकालें जिसे आपने अपने स्वयं के जीवन में आज देखा है ।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 । *First Presidency Message,* March 2011 का अनुवाद । Hindi । 09763 294

पौरोहित्य के तहत और पौरोहित्य के उदाहरण के अनुसार

इस सामग्री का अध्ययन करें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिनसे आप भेंट करती हैं । अपनी बहनों को मजबूत करने में और सहायता संस्था को अपने स्वयं के जीवन का एक सक्रीय भाग बनाने में सहायता के लिए प्रश्नों का उपयोग करें ।

विश्वास • परिवार • सहायता

मेरी प्यारी बहनों, हम कितनी आशीषित हैं! हम केवल गिरजाघर की सदस्या ही नहीं हैं, परन्तु हम सहायता संस्था—''स्त्रियों के लिए प्रभु का संगठन'' की सदस्या भी हैं ।[1] सहायता संस्था परमेश्वर का उसकी बेटियों के प्रति प्रेम का प्रमाण है ।

क्या आपका हृदय रोमांच से नहीं भर जाता है जब आप इस संस्था के उत्साहपूर्ण आरंभ को याद करती हैं? 17 मार्च, 1842 को, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने ''पौरोहित्य के तहत और पौरोहित्य के उदाहरण के अनुसार'' बहनों को संगठित किया था ।''[2]

''पौरोहित्य के तहत'' संगठित होने से बहनों को अधिकार और निर्देश प्राप्त हुआ था । एलिजा आर. स्नो, सहायता संस्था की द्वितीय जनरल अध्यक्षा ने, सीखाया था कि सहायता संस्था ''बिना पौरोहित्य के विद्यमान नहीं रह सकती है, इस तथ्य से कि यह अपने सारे अधिकार और प्रभाव को उसी माध्यम से प्राप्त करती है ।''[3] बारह प्रेरितों की परिषद के एल्डर डैलिन एच. ओक्स ने समझाया था,''अधिकार का उपयोग अधिकारियों और सहायता संस्था की शिक्षिकाओं द्वारा किया जाना चाहिए . . . उस अधिकार का जो कि उनके पास अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के साथ उनके संगठन के संबंध द्वारा मिलेगा और उन पौरोहित्य मार्गदर्शकों के हाथों के नीचे व्यक्तिगत तौर पर अलग करने के द्वारा मिलेगा जिनके द्वारा उनकी बुलाहट हुई थी ।''[4]

''पौरोहित्य के उदाहरण के अनुसार'' इसको संगठित करने से बहनों को पवित्र जिम्मेदारियां प्राप्त हुई थी । जूली बी. बेक, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा ने समझाया थाः ''हम पौरोहित्य की रीति के अनुसार कार्यवाही करती हैं—जिसका अर्थ है कि हम खोजती, प्राप्त करती, और प्रकटीकरण पर आधारित काम करती हैं; समितियों में निर्णय लेती हैं; और व्यक्तिगत तौर पर हर एक की देखभाल के लिए स्वयं दिलचस्पी लेती हैं। अनुबन्धों को बनाने और उनका पालन करने के द्वारा अनन्त जीवन की आशीषों के प्रति हमारा पौरोहित्य उद्देश्य स्वयं को तैयार करना है । इसलिए, अपने उन भाइयों के समान जो पौरोहित्य धारक हैं, हमारा कर्तव्य उद्धार, सेवा, और पवित्र लोग बनना है ।''[5]

बारबरा थॉमसन, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार ।

धर्मशास्त्रों से

1 कुरिन्थियों 11:11; सिद्धान्त और अनुबन्ध 25:3; 121:36–46

हमारे इतिहास से

नावू मन्दिर के निर्माण के दौरान, निर्माण के प्रयास में समर्थन के लिए बहनों के एक दल ने संगठित होना चाहा । एलिजा आर.स्नो ने इस नये दल के लिए नियमों का प्रारूप बनाया । जब उसने इसे भविष्यवक्ता जोसफ को दिखाया, उन्होंने उत्तर दियाः ''बहनों को बता दो कि उनकी भेंट प्रभु द्वारा स्वीकार की गई, और उनके पास उन बहनों के लिए कुछ बेहतर है । . . . मैं स्त्रियों को पौरोहित्य के तहत और पौरोहित्य के उदाहरण के अनुसार स्थापित करूँगा ।''[6] कुछ समय के पश्चात, भविष्यवक्ता ने नये स्थापित सहायता संस्था के बारे में बताया थाः ''अब मैं परमेश्वर के नाम में कुंजी आपको देता हूं, और यह संस्था आनन्द मनाएगी, और इस समय से ज्ञान और समझ प्रवाहित होगी ।''[7] बहनों से पवित्रता के एक नये स्तर पर पहुँचने की और मन्दिर में शीघ्र ही की जानेवाली पौरोहित्य धर्मविधियों की तैयारी की प्रत्याशा की गई थी ।

विवरण

1. स्पेन्सर डब्लयु. किम्बल, "Relief Society—Its Promise and Potential," *Ensign,* मार्च 1976, 4 ।
2. जोसफ स्मिथ, Sarah Granger Kimball, "Auto-biography" में उद्धरित, *Woman's Exponent*, सितं. 1, 1883, 51 ।
3. एलिजा आर. स्नो, "Female Relief Society," *Deseret News,* अप्रैल 22, 1868, 81 ।
4. डैलिन एच. ओक्स, "The Relief Society and the Church," *Ensign,* मई 1992, 36 ।
5. जूली बी. बेक, "Relief Society: A Sacred Work," *Liahona,* नवं. 2009, 111 ।
6. जोसफ स्मिथ, Kimball, "Auto-biography," में उद्धरित, 51 ।
7. *Teachings of Presidents of the Church: Joseph Smith* (2007), 451 ।

मै क्या कर सकती हूं ?

1. सहायता संस्था के पवित्र कार्य की आशीषों को पाने में मैं उन बहनों की सहायता किस प्रकार कर सकती हूं जिनसे मैं भेंट करती हूं ?

2. व्यक्तिगत प्रकटीकरण प्राप्त करने के लिए अपनी क्षमता को बढ़ाने के प्रति इस माह मैं क्या करूँगी ?

अधिक जानकारी के लिए, www.reliefsociety.lds.org पर जाएं ।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित ।'
भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 ।
Visiting Teaching Message, March 2011 का अनुवाद ।
Hindi । 09763 294